

अधिसूचना

श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1 सन् 1904) (उत्तरांचल में यथा प्रवृत्त) की धारा 21 के साथ पठित उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम, 1910) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 की धारा 40 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उत्तरांचल राज्य में देशी एवं विदेशी मदिरा एवं बियर की फुटकर बिक्री को विनियमित करने की दृष्टि से वित्तीय वर्ष 2006-07 के लिए निम्नवत् आबकारी नीति घोषित करते हैं :-

यह नीति दिनांक 1 अप्रैल, 2006 से 31 मार्च, 2007 तक प्रभावी रहेगी।

1. लाईसेन्स फीस का निर्धारण:-

वित्तीय वर्ष 2006-07 की लाईसेन्स फीस के निर्धारण हेतु वित्तीय वर्ष 2005-06 के लिये निर्धारित देशी एवं विदेशी मदिरा की दुकानों की श्रेणी देशी मदिरा के लिये बल्क लीटर में एवं विदेशी मदिरा के लिये बोतलो में वित्तीय वर्ष 2005-06 की भांति स्लैबवार यथावत् रखी जायेगी तथा प्रत्येक स्लैब के लिये निर्धारित लाईसेन्स फीस में 15 प्रतिशत की वृद्धि की जायेगी एवं इसे एक हजार के पूर्णांक में (राउण्ड अप) करते हुए निर्धारित की जायेगी।

2. न्यूनतम प्रत्याभूत ड्यूटी का निर्धारण :-

देशी/विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानों के न्यूनतम प्रत्याभूत ड्यूटी में वर्ष 2006-07 में निम्नानुसार वृद्धि की जायेगी-

क्र०सं	वर्ष 2005-06 हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों की संख्या	वृद्धि लक्ष्य
0		
1	जिन दुकानों पर 1400 से अधिक आवेदन पत्र प्राप्त हुए।	20 प्रतिशत
2	जिन दुकानों पर 1000 या उससे अधिक परन्तु 1400 से कम आवेदन पत्र प्राप्त हुए।	19 प्रतिशत
3	जिन दुकानों पर 500 या उससे अधिक परन्तु 1000 से कम आवेदन पत्र प्राप्त हुए।	18 प्रतिशत
4	जिन दुकानों पर 200 या उससे अधिक परन्तु 500 से कम आवेदन पत्र प्राप्त हुए।	17 प्रतिशत
5	जिन दुकानों पर 50 या उससे अधिक परन्तु 200 से कम आवेदन पत्र प्राप्त हुए।	16 प्रतिशत
6	जिन दुकानों पर 50 से कम आवेदन पत्र प्राप्त हुए।	15 प्रतिशत

वर्ष 2005-06 में दुकान पर अतिरिक्त उठान की राशि को दुकान के वार्षिक निर्धारित न्यूनतम प्रत्याभूत ड्यूटी में जोड़कर वृद्धि की गणना की जायेगी।

3. राजस्व निर्धारण :-

प्रस्तावित नीति के उपरोक्त बिन्दु 2 के अनुसार दुकानवार निर्धारित किये गये न्यूनतम प्रत्याभूत ड्यूटी तथा उपरोक्त बिन्दु 1 के अनुसार निर्धारित लाईसेन्स फीस की राशि को जोड़कर दुकानवार राजस्व की राशि का आंगणन किया जायेगा।

इसके अतिरिक्त वर्ष के दौरान दुकानवार निर्धारित न्यूनतम वार्षिक प्रत्याभूत ड्यूटी की राशि के 10 प्रतिशत तक अतिरिक्त उठान पर अतिरिक्त लाईसेन्स फीस की छूट प्रदान की जायेगी परन्तु 10 प्रतिशत से अधिक मदिरा का उठान करने पर यदि कोई दुकान लाईसेन्स फीस के अगले स्लैब में आ जाती है, तो उसे बड़ी दर से लाईसेन्स फीस देनी होगी।

4. देशी एवं विदेशी मदिरा की दुकानों के राजस्व का निर्धारण:-

बिन्दु 1, 2 व 3 में दी गयी व्यवस्था के अनुसार दुकानवार राजस्व को जोड़ते हुए जनपद का वर्ष 2006-07 हेतु राजस्व निर्धारित किया जायेगा।

5. देशी एवं विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानों का आवंटन:-

उपरोक्त व्यवस्था के अनुसार दुकानवार राजस्व निर्धारित हो जाने के उपरान्त जिलाधिकारियों द्वारा गढ़वाल मण्डल विकास निगम, कुमायूँ मण्डल विकास निगम, पूर्व सैनिक कल्याण उद्यम लि०, भूतपूर्व सैनिकों की पंजीकृत सहकारी समितियों, सहकारी संस्थाओं तथा निजी आवेदकों से निर्धारित राजस्व पर देशी एवं विदेशी मदिरा की फुटकर दुकान चलाने हेतु निर्धारित प्रारूप, (जिसे सम्बन्धित क्षेत्र के दो प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में प्रकाशित कराया जायेगा,) पर आवेदन पत्र आमंत्रित किये जायेंगे। प्रत्येक आवेदन पत्र के साथ 200/रु० की फीस नगद अथवा किसी अनुसूचित अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक का बैंक ड्राफ्ट प्रक्रिया शुल्क के रूप में सम्बन्धित जिला आवकारी अधिकारी के नाम से जमा कराना होगा, जो प्रार्थना पत्र निर्धारित प्रारूप में नहीं होंगे उन्हें निरस्त कर दिया जायेगा। जहाँ एक दुकान के लिये एक ही आवेदक हो उसे दुकान आवंटित की जा सकेगी तथा एक से अधिक आवेदकों की दशा में लाटरी द्वारा आवंटन किया जायेगा। देशी एवं विदेशी मदिरा की दुकानों के व्यवस्थापन हेतु उपरोक्त प्रक्रिया तब तक अपनाई जायेगी, जब तक कि समस्त दुकानें व्यवस्थापित नहीं हो जाती हैं।

परन्तु यदि वित्तीय वर्ष 2006-07 की किसी अवधि में दुकान व्यवस्थापन की प्रक्रिया में समय लगता है तो व्यवस्थापन की अवधि में दुकान दैनिक आधार पर

चलायी जायेगी। इसके लिये भूतपूर्व सैनिकों को उनके द्वारा आवेदन करने पर निर्धारित राजस्व के सापेक्ष दैनिक मूल्य पर दुकान संचालित करने की अनुमति प्रदान किये जाने पर भी विचार किया जा सकेगा।

परन्तु यह और कि उपरोक्त दोनों निगमों, पूर्व सैनिक कल्याण उद्यम लि०, भूतपूर्व सैनिकों की पंजीकृत सहकारी समितियों, सहकारी संस्थाओं को छोड़कर उपरोक्त प्रक्रिया में निजी अनुज्ञापी को एक जनपद में देशी एवं विदेशी मदिरा की एक से अधिक दुकान आवंटित किये जाने पर विचार नहीं किया जायेगा, अर्थात् देशी मदिरा अथवा विदेशी मदिरा में से केवल एक ही दुकान आवंटित की जायेगी।

परन्तु यह भी कि यदि उपरोक्त प्रक्रिया में कोई देशी या विदेशी मदिरा की दुकान अव्यवस्थापित रह जाती है तो उनके व्यवस्थापन के सम्बन्ध में आवकारी आयुक्त द्वारा शासन के अनुमोदनोपरान्त निर्णय लिया जायेगा।

6. पात्रता:—

देशी एवं विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानों के आवंटन के सम्बन्ध में पात्रता की शर्तें वित्तीय वर्ष 2004-05 के अनुरूप होंगी।

अनुज्ञापी को दुकान आवंटित होने के तीस दिन के भीतर जिलाधिकारी द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण— पत्र तथा तीन माह के भीतर हैसियत प्रमाण—पत्र लाईसेंसिंग प्राधिकारी(कलक्टर) के पास प्रस्तुत करना होगा। पावर आफ अटार्नी के आधार पर दुकान संचालित करने की अनुमति दिये जाने पर विचार नहीं किया जायेगा।

7. देशी एवं विदेशी मदिरा की निकासी में न्यूनतम प्रत्याभूत ड्यूटी की गणना:—

निकासी हेतु वर्ष 2006-07 के लिये निर्धारित न्यूनतम प्रत्याभूत ड्यूटी की राशि के विपरीत देशी मदिरा की प्रति बल्क लीटर तथा विदेशी मदिरा की प्रति बोतल न्यूनतम प्रत्याभूत ड्यूटी की राशि के आधार पर दुकानवार मदिरा की निकासी प्राप्त की जा सकेगी।

8. देशी एवं विदेशी मदिरा पर उत्पाद शुल्क की दर:—

विदेशी मदिरा पर संदेय उत्पाद शुल्क की दर रु० 55.00 प्रति अल्कोहलिक लीटर होगी। देशी मदिरा (36वी०/वी० तीव्रता) पर ड्यूटी गत वर्ष के समान रु० 70.00 प्रति बल्क लीटर रहेगी।

9. विदेशी मदिरा की निकासी पर न्यूनतम प्रत्याभूत ड्यूटी की गणना:—

विदेशी मदिरा की निकासी पर न्यूनतम प्रत्याभूत ड्यूटी की गणना हेतु दरें निम्न प्रकार निर्धारित की जाती हैं —

1. रु० 22.00 प्रति बोतल तक एक्स आसवनी मूल्य पर	रु० 55.00
2. रु० 22.01 से रु० 35.00 तक एक्स आसवनी मूल्य पर	रु० 65.00
3. रु० 35.01 से रु० 55.00 तक एक्स आसवनी मूल्य पर	रु० 75.00
4. रु० 55.01 से रु० 75.00 तक एक्स आसवनी मूल्य पर	रु० 85.00
5. रु० 75.01 से रु० 150.00 तक एक्स आसवनी मूल्य पर	रु० 100.00
6. रु० 150.01 से अधिक एक्स आसवनी मूल्य पर	रु० 110.00

10 सैन्य कैन्टीनों द्वारा बिक्री पर ड्यूटी तथा एसेस्मेंट फीस की दर:-

सैन्य कैन्टीनों की व्यवस्था गत वर्ष के अनुरूप रहेंगी।

11. मदिरा का विक्रय मूल्य:-

वित्तीय वर्ष 2005-06 की भांति मदिरा के विक्रय मूल्य के परिप्रेक्ष्य में अवांछनीय प्रतिस्पर्धा की प्रवृत्ति को नियंत्रित किया जायेगा। अवांछनीय प्रतिस्पर्धा की स्थिति में अनुज्ञापन निरस्त किया जा सकेगा।

12 विदेशी मदिरा के थोक (एफ0एल0-2) अनुज्ञापन:-

वित्तीय वर्ष 2006-07 में गढ़वाल मण्डल में गढ़वाल मण्डल विकास निगम एवं कुमायूँ मण्डल में कुमायूँ मण्डल विकास निगम के साथ-साथ दोनों मण्डलों के जनपदों में पूर्व सैनिक कल्याण उद्यम लि० को भी आवेदन करने पर एफ0एल0-2 अनुज्ञापन प्रदान किया जायेगा किन्तु एफ0एल0-2 के स्तर पर लिया जाने वाला लाभांश गत वर्ष आवकारी आयुक्त द्वारा निर्धारित 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

एफ0एल0-2 के अन्तर्गत 500 एम0एल0 एवं 330 एम0एल0 के पैक में भरी बियर की बिक्री की अनुमति भी दी जायेगी। विदेशी मदिरा भी 90 एम0एल0 के पैक में बेची जा सकेगी।

वर्ष 2006-07 हेतु विभिन्न जनपदों के एफ0एल0-2 अनुज्ञापनों की लाईसेन्स फीस को उनकी विदेशी मदिरा की खपत के आधार पर पुनः निर्धारित किया जायेगा।

सबसे कम प्रति बोटल न्यूनतम प्रत्याभूत ड्यूटी की विदेशी मदिरा को प्रदेश के बाहर से आयात करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

इसके अतिरिक्त प्रदेश के बाहर के विदेशी मदिरा के निर्माता विदेशी मदिरा के केवल अपनी आसवनी के विदेशी मदिरा के ब्रान्ड्स ही उत्तरांचल स्थित अपने बाण्ड लाईसेन्सों के माध्यम से उत्तरांचल में बेच सकेंगे। यदि कोई निर्माता किसी अन्य आसवनी/निर्माता के ब्रान्ड्स की बाटलिंग अपनी ईकाई में करता है तो दूसरे विनिर्माता के इन ब्रान्ड्स को अपने बाण्ड से बेचने की अनुमति ऐसे बाण्ड धारक निर्माता को नहीं दी जायेगी। इसके लिये उत्पादकवार अलग से बाण्ड लाईसेन्स लेना होगा।

13 गढ़वाल मण्डल के पांच जनपदों में देशी मदिरा की दुकानों का संचालन:-

गढ़वाल मण्डल के पांच जनपदों पौड़ी, चमोली, उत्तरकाशी, टिहरी व रुद्रप्रयाग में वित्तीय वर्ष 2005-06 की भांति केवल विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानें ही संचालित किये जायेंगे तथा इन जनपदों में फुटकर दुकानों से विदेशी मदिरा की पूर्व में जारी परमिट से बिक्री की व्यवस्था को समाप्त कर दिया जायेगा।

14 जनपदों में दुकान का स्थान परिवर्तन :-

जिलाधिकारियों द्वारा दुकान रहित स्थानों में स्वविवेकानुसार दुकान खोलने के निर्णय लिये जा सकेंगे परन्तु दुकानों को खोलने से पूर्व दुकान का राजस्व एवं दुकान खोलने के आधार सहित आवकारी आयुक्त का पूर्वानुमोदन प्राप्त करना आवश्यक होगा। स्थान परिवर्तन की जाने वाली दुकान का राजस्व, जनपद की अन्य दुकानों के राजस्व के अतिरिक्त होगा।

15 जनपदों में देशी एवं विदेशी मदिरा की दुकानों को बन्द करने के सम्बन्ध में भी जिलाधिकारियों को जनपद की आवश्यकतानुसार स्वविवेकानुसार निर्णय लेने हेतु अधिकृत किया जायेगा। ऐसी स्थिति में न तो सम्बन्धित जनपद का आवंटित राजस्व कम होगा और न ही क्षेत्र दुकान रहित होगा। जनपद की सीमान्तर्गत दुकान किसी एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानान्तरित किया जाना अपेक्षित हो तो इस सम्बन्ध में भी जिलाधिकारी स्वविवेकानुसार आवकारी अधिनियम में उल्लिखित प्राविधानों के अन्तर्गत निर्णय ले सकेंगे परन्तु ऐसी स्थिति में किसी दुकान के राजस्व पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा कोई क्षेत्र दुकान रहित जोन नहीं हो सकेगा।

16 बार एवं क्लब बार लाईसेन्स:-

बार अनुज्ञापन के फलस्वरूप दी जाने वाली विदेशी मदिरा की निकासी पर छूटी की दर निम्नानुसार होगी:-

1. रु0 22.00 प्रति बोतल तक

एक्स आसवनी मूल्य पर

रु0 55.00

2. रु0 22.01 या उससे अधिक रु0 35.00

तक प्रति बोतल एक्स आसवनी मूल्य पर

रु0 65.00

3. रु0 35.01 या उससे अधिक

प्रति बोतल एक्स आसवनी मूल्य पर

रु0 80.00

होटल एवं रेस्त्राओं के अलावा गढ़वाल गण्डल विकास निगम एवं कुमायूँ मण्डल विकास निगम के पर्यटक आवास गृहों द्वारा मांग किये जाने पर बार लाईसेन्स निर्गत किये जायेंगे। अनुज्ञापन से सम्बन्धित अन्य व्यवस्था एवं शर्तें वित्तीय वर्ष 2004-05 के अनुरूप यथावत रहेगी।

बड़े व्यवसायिक होटलों को दृष्टिगत रखते हुए ऐसे होटलों एवं रेस्त्राओं को भी बार लाईसेन्स देने पर विचार किया जायेगा, यदि आवेदन किये जाने वाले वर्ष में आवेदन किये जाने की तिथि तक उनके होटल/रेस्त्राओं में पके हुए भोजन की बिक्री रु0 5.50 लाख अथवा उससे अधिक हो।

17 बियर बार लाईसेन्स:-

बियर बार लाईसेन्स स्वीकृत किये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2004-05

की नीतियों का अनुकरण किया जायेगा। पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने की दृष्टि से उन होटल एवं रेस्त्राओं, जिनकी विगत वर्ष में पके हुए भोजन की बिक्री 3.00 लाख रुपये (तीन लाख रुपये) वार्षिक या उससे अधिक रही हो उन्हें रु0 20,000/- (बीस हजार रुपये) प्रतिवर्ष की दर से अनुज्ञापन शुल्क के आधार पर बियर बार लाईसेन्स स्वीकृत किया जायेगा। इस अनुज्ञापन के अन्तर्गत वह केवल बियर की बिक्री के पात्र होंगे।

सीजनल पर्यटक स्थलों के लिये छः माह की अवधि के लिये भी लाईसेन्स दिये जा सकेंगे एवं सीजनल बियर बार हेतु लाईसेन्स फीस, बियर बार हेतु निर्धारित लाईसेन्स फीस की आधी अर्थात् रु0 10,000/- (दस हजार रुपये मात्र) होगी।

बड़े व्यवसायिक होटलों को दृष्टिगत रखते हुए ऐसे होटलों एवं रेस्त्राओं को भी बियर बार लाईसेन्स देने पर विचार किया जायेगा, जिनके आवेदन किये जाने की तिथि तक उनके होटल/रेस्त्राओं में पके हुए भोजन की बिक्री रु0 3.00 लाख अथवा उससे अधिक हो।

18 आसवनियों, बाटलिंग प्लान्ट, ब्रुअरी, विन्टनरी एवं वाईनरी की स्थापना:-

आसवनियों, बाटलिंग प्लान्ट, ब्रुअरी, विन्टनरी एवं वाईनरी की स्थापना के सम्बन्ध में निम्न व्यवस्था रखी जायेगी:-

(क) आसवनियों की स्थापना हेतु अनुज्ञापन देने पर विचार नहीं किया जायेगा।

(ख) बाटलिंग प्लान्ट लगाने के लिये पूर्व वर्ष की नीति के अनुरूप इस व्यवसाय में पूर्व से ही प्रतिष्ठित एवं ख्यातिप्राप्त निर्माताओं से प्रस्ताव प्राप्त होने पर विचार किया जायेगा।

एफ0एल0-3 ए लाईसेन्स के अन्तर्गत विदेशी मदिरा की बोतल भराई पर एफ0एल0एम0-3 के समान लाईसेन्स फीस संदेय होगी। इन लाईसेन्सों के अन्तर्गत भरी गयी विदेशी मदिरा की प्रत्येक बोतल/अब्बा/पच्चा पर कमशः रु0 4.50/-, रु0, 2.25/- एवं रु0 1.15/- बाटलिंग फीस देय होगी। विदेशी मदिरा विनिर्माणशाला की स्थापना नियमावली, 1997 के अन्तर्गत मदिरा की बोतल भराई सीमा को बढ़ाने के लिये आवकारी आयुक्त शासन की पूर्वानुमति से इस नियमावली को संशोधित कर सकेंगे।

प्रदेश के बाहर निर्यात हेतु विदेशी मदिरा पेट (Polyethylene Tetra Phthalate) बोतलों में भरी जा सकेगी परन्तु अनुज्ञापी को इस सम्बन्ध में सक्षम संस्था का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा कि इन बोतलों में भरी गयी मदिरा मानव उपभोग हेतु सुरक्षित होगी।

(ग) ब्रुअरी, विन्टनरी एवं वाईनरी की स्थापना हेतु गत वित्तीय वर्ष के अनुरूप लाईसेन्स देने पर विचार किया जायेगा तथा वाईन किन धारिता की बोतलों

में भरी जायेगी इसके निर्धारण हेतु आवकारी आयुक्त अधिकृत होंगे। ऐसे ख्याति प्राप्त जनरल मर्चेंट्स जिनका वार्षिक टर्नओवर वाणिज्य कर विभाग द्वारा कम से कम पांच लाख रुपये वार्षिक प्रमाणित हो, उन्हें पांच हजार रुपये वार्षिक लाईसेन्स फीस पर केवल उत्तरांचल में बनी वाईन बेचने हेतु लाईसेन्स दिये जायेंगे। इसके अतिरिक्त उत्तरांचल में बनी ड्राफ्ट बियर की बिक्री की अनुमति वारों तथा कैंटीनों में दी जायेगी।

19 गैसोहोल/इथेनॉल प्लान्ट:-

उत्तरांचल के शीरा डेफिसिट राज्य होने के कारण गैसोहोल/इथेनाल प्लान्ट स्थापित करने हेतु अनुमति नहीं दी जायेगी।

20 देशी एवं विदेशी मदिरा की बोतलों पर वर्तमान में होलोग्राम लगाये जाने की व्यवस्था यथावत रखी जायेगी। राजस्व सुरक्षा की दृष्टि से फुटकर दुकानों से बेची जाने वाली बियर की बोतलों पर भी सुरक्षा होलोग्राम लगाये जाने की व्यवस्था की जायेगी, परन्तु होलोग्राम के वर्तमान डिजाईन को बदल दिया जायेगा।

21 देशी मदिरा की शत प्रतिशत भराई वर्ष 2005-06 के अनुरूप कांच की नई बोतलों में ही की जायेगी। पॉली पाउचों तथा पैट बोतलों में भरी देशी मदिरा की बिक्री पर पूर्णतया प्रतिबन्ध रहेगा।

22 जनहित में देशी मदिरा की गुणवत्ता में सुधार हेतु भविष्य में देशी मदिरा का निर्माण केवल एक्स्ट्रा न्यूट्रल एल्कोहल (ई०एन०ए०) से ही कराया जायेगा। देशी मदिरा के वर्तमान आवंटन क्षेत्र को वर्ष 2005-06 के अनुरूप ही रखा जायेगा।

23 विदेशी मदिरा एवं बियर की पॉली पाउचों/प्लास्टिक की बोतलों में बिक्री पर पूर्णतया प्रतिबन्ध रहेगा। यह प्रतिबन्ध उत्तरांचल राज्य में स्थित सैन्य कैंटीनों पर भी लागू रहेगा, परन्तु जिन प्रदेशों में पैट बोतलों में भरी विदेशी मदिरा की बिक्री अनुमत्य है उन प्रदेशों को निर्यात की जाने वाली विदेशी मदिरा पैट बोतलों में इस शर्त के साथ भरी जा सकेगी कि मदिरा निर्माता को सक्षम संस्था का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा कि इन बोतलों में भरी गयी मदिरा मानव उपभोग हेतु सुरक्षित होगी।

24 भाग के अनुज्ञापन में वर्ष 2002-03 की नीति यथावत रहेगी।

25 बार लाईसेन्सों की फीस में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी।

26 वर्ष 2006-07 में केवल दिसम्बर व जनवरी माह में ही मदिरा की दुकानें प्रातः 10.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक खोली जायेगी शेष अवधि में दुकानें प्रातः 10.00 बजे से रात्रि 11.00 बजे तक खोले जाने की अनुमति दी जायेगी।

27 फुटकर अनुज्ञापियों द्वारा वर्ष के प्रारम्भ में एडवान्स में जमा की गयी राशियों को वर्ष के अन्तिम माहों में अनुज्ञापी की देयता के विरुद्ध समायोजित कर लिये जाने की बाध्यता नियमों में रखी जायेगी।

28 अन्य व्यवस्थायें विगत वित्तीय वर्ष 2005-06 के अनुरूप यथावत रहेगी।

29. उपरोक्त नीति के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक आर्युक्त द्वारा आवश्यकतानुसार शासन के अनुमोदन से संशोधित नियम उपबंधित किये जायेंगे।

(गोविन्द बल्लभ ओली)
संयुक्त सचिव।

संख्या-370 (1) / 115 / XXIII / 2005तददिनांकित

प्रतिलिपि संयुक्त निदेशक, मुद्रण एवं लेखन, राजकीय मुद्रणालय, रुड़की को अधिसूचना की प्रति इस आशय से प्रेषित कि कृपया अधिसूचना का प्रकाशन उत्तरांचल शासन के असाधारण गजट के दिनांक 06 मार्च, 2006 के विधायी परिशिष्ट भाग-4 खण्ड-क में मुद्रित कराते हुए इसकी 100 प्रतियां सचिव, आबकारी विभाग, उत्तरांचल शासन, देहरादून तथा 500 प्रतियां आबकारी आर्युक्त, उत्तरांचल, देहरादून को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

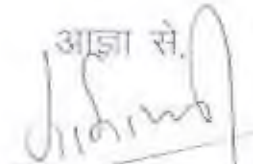
आज्ञा से,

(गोविन्द बल्लभ ओली)
संयुक्त सचिव

संख्या-370 (2) / 115 / XXIII / 2005तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल।
- 2- निजी सचिव, मा० आबकारी मंत्रीजी को मा० मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 3- निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ।
- 4- समस्त प्रमुख सचिव/ सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 5- आबकारी आर्युक्त, उत्तरांचल, देहरादून।
- 6- आर्युक्त गढ़वाल मण्डल एवं कुमाऊं मण्डल।
- 7- आर्युक्त, वाणिज्य कर विभाग, उत्तरांचल, देहरादून।
- 8- समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- 9- गोपन (मंत्री-परिषद) अनुभाग।
- 10- एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा से,

(गोविन्द बल्लभ ओली)
संयुक्त सचिव